बच्चे सुरक्षित होंगे, तो समाज-राष्ट्र सुरक्षित रह पाएगा- राज्यपाल 14-10-2017

रोहतक, 14 अक्टूबर। बाल उत्पीडऩ, बाल यौन शोषण तथा बाल ट्रैफिकिंग के खिलाफ चुप्पी तोडऩे तथा इन कुप्रथाओं के खिलाफ युद्ध छेडऩे का आह्वान आज नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय(एमडीयू) के टैगोर सभागार में सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भारत थीम पर हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में किया। यह कार्यक्रम उनके राष्ट्रव्यापी भारत यात्रा की कड़ी में एमडीयू में आयोजित किया गया।

हरियाणा के राज्यपाल एवं कुलाधिपति, एमडीयू प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने अपने प्रेरणादायी भाषण में कहा कि पूरे समाज को बाल शोषण संबंधित उदासीनता को त्यागना होगा। सामाजिक मानसिकता में बदलाव की पुरजोर वकालत करते हुए कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि ये किस तरह का समाज है, किस तरह की तरक्की है, जहां बच्चों-बच्चियों के खिलाफ यौन अपराध बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि बाल उत्पीडऩ तथा बाल अपराध के खिलाफ राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की स्थापना की जाए।

कैलाश सत्यार्थी ने बताया कि भारत यात्रा का आयोजन पूरे राष्ट्र में बाल उत्पीडऩ के खिलाफ जागरूकता फैलाने तथा इस मामले जनमत तैयार करने के लिए किया गया है। उन्होंने उपस्थित जन से सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भारत संबंधित शपथ भी दिलवाई।

हरियाणा के राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि कैलाश सत्यार्थी का पूरा जीवन बच्चों की खुशहाली के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता के लिए जन जागरण बहुत महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बच्चे किसी भी समाज एवं राष्ट्र की अमूल्य संपत्ति होते हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षा, अच्छी परवरिश समाज व राष्ट्र का दायित्त्व है। प्रो. सोलंकी ने कहा कि यदि बच्चे सुरक्षित होंगे, तो समाज-राष्ट्र सुरक्षित रह पाएगा। उन्होंने कैलाश सत्यार्थी तथा उनकी जीवन संगिनी सुमेधा कैलाश के बाल अधिकारों के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

हरियाणा की महिला एवं बाल कलयाण मंत्री श्रीमती कविता जैन ने कहा कि बच्चों के खिलाफ अपराध गंभीर वैश्विक समस्या है। उन्होंने कहा कि बाल शोषण एवं उत्पीडऩ जैसे संवेदनशील मुद्दे पर पूरे समाज देश को जागृत होना होगा। उन्होंने बाल उत्पीडऩ रोकने बारे हरियाणा सरकार के प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

हरियाणा के सहकारिता राज्य मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी मानवता के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। भारत को शांति एवं अहिंसा का देश बताते हुए मनीष ग्रोवर ने कहा कि सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करना हम सब की सामूहिक जिम्मेवारी है।
इससे पूर्व, मदवि के कुलपति प्रो. बिजेन्द्र कुमार पूनिया ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि समूचा विश्वविद्यालय परिवार बाल-उत्पीडऩ के खिलाफ कैलाश सत्यार्थी की मुहिम में साथ खड़ा है। कुलपति प्रो. पूनिया ने कहा कि मदवि सामाजिक सरोकारों में हमेशा अपना योगदान सक्रिय रूप से देता रहा है।

कार्यक्रम में मंच संचालन निदेशक युवा कल्याण डा. जगबीर राठी ने किया। आभार प्रदर्शन भारत यात्रा कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक बीके गोयल ने किया।

इससे पूर्व, कैलाश सत्यार्थी, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमेधा कैलाश तथा भारत यात्रा के पूरे कारवां ने पैदल यात्रा करते हुए मदवि परिसर में प्रवेश किया। विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राधेश्याम तथा एनएसएस एवं वाईआरसी वालंटियर्स ने भारत यात्रा दल का पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया। कैलाश सत्यार्थी ने महर्षि दयानंद सरस्वती तथा गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

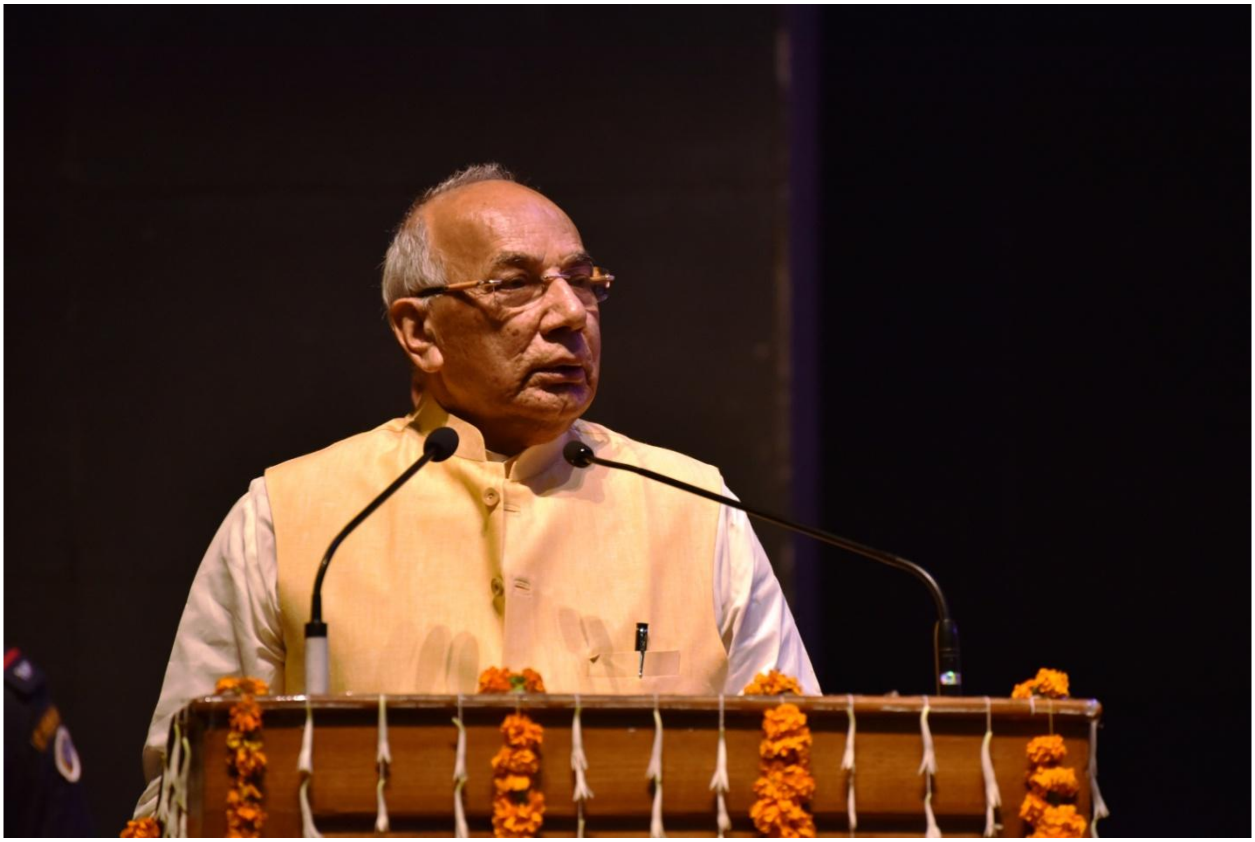

rtment of Women & Child Development, Gov

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHT
AGAINST CHILD ABUSE
Reserved
VVIP